

«ՄՈՒՐՃԻ» ԽՄԲԱԳՐՈՒԹԻՒՆԻՑ

«Մուրճի» ներկայ համարից բաց ենք անում՝ եկող 1902 թուի բաժանորդագրութիւնը: Այս առիթով պարտք ենք համարում մի թեթեւ հաշիւ պալ մեր հասարակութեան:

Անցեալ տարուայ վերջին, երբ մենք ընդունում էինք «Մուրճը» նախկին խմբագրութիւնից, յայտնի դարձաւ որ ամսագիրը այդ տարին ունեցել է ընդամենը 260 բաժանորդ*): Համաձայն մեր խոստման, այդ բաժանորդներին «Մուրճը» ներկայ տարուայ առաջին կիսամեակում ձրի ուղարկուեց, որովհետեւ նրանք անցեալ տարուայ երկրորդ կիսամեակում չէին ստացել ամսագիրը: Այնպէս որ, սկսելով «Մուրճի» նոր շրջանը, մենք աչքի առաջ չունէինք մշտական, հաստատու բաժանորդների փոքր ի շատե՛ նշանաւոր թիւ, որ կարողանար ապահովել ամսագրի գոյութիւնը գոնե մի թեթեւ չափով: Պէտք էր սկսել ամեն ինչ նորից, նոր ստեղծել վճարող ընթերցողների մի աչքի ընկնող թիւ:

Այս պայմանների մէջ մենք բաց արինք «Մուրճի» նոր շրջանի առաջին տարուայ բաժանորդագրութիւնը և պէտք է գոհութեամբ արձանագրենք որ գործը հէնց սկզբից ցայց տուեց, թէ մենք կարող ենք յոյս դնել հա-

*) Դրանցից նորոգեցին իրանց բաժանորդագրութիւնը միայն 120 հոգի:

սարակութեան աշակցութեան վրայ: Ուստի «Մուրճի» հէնց առաջին համարում մենք յայտարարեցինք, որ ամսագրի ծաւալը կը լինի 8 տպագրական թերթ կամ 256 երես և թէ ամսագիրը այդպիսի ծաւալով ապահովելու համար հարկաւոր է որ մենք ունենանք առնուազն 800 բաժանորդ: Բայց ամբողջ տարուայ ընթացքում մենք չը հետեւեցինք մեր խոստացած ծաւալին, այլ, քաջալերուելով մեր ընթերցողների և մամուլի համակրանքից, հրատարակեցինք, նիւթական զոհողութիւններ չը խնայելով, աւելի մեծ ծաւալով, այն է 10 տպագրական թերթ կամ 320 երես:

Մենք կամենում էինք ցոյց տալ, որ եթէ հայերի մէջ չը կայ մի հաստ ամսագիր, որ ընթերցանութեան առատ նիւթ մատակարարէր հասարակութեան, դրա պատճառն այն չէ, որ չը կան գրական աշխատասիրներ, չը կայ աւելի շատ աշխատելու եռանդ և ցանկութիւն: Եւ մի տարուայ փորձը ցոյց տուեց որ մենք սխալուած չէինք:

Նոյն այդ փորձը ցոյց տուեց և այն, որ ամսագրի զարգացման դէմ եթէ կայ մի խոչընդոտ, դա ընթերցող հասարակութեան պէտք է վերագրել և ոչ թէ իրմբագրութեան: «Մուրճը» այժմ ունի 650 բաժանորդ, մի թիւ, որ բաւական չէ նոյն իսկ մեր խոստացած 256 երեսանոց ծաւալով հրատարակելու համար:

Ահա այդ հանգամանքի վրայ ենք հրաւիրում հասարակութեան ուշադրութիւնը: Եթէ զուր զգում էք, որ անհրաժեշտութիւն է մի մեծ ամսագիր ունենալը, աշակցեցէք մեզ, որպէս զի մենք էլ շարունակենք այնպէս, ինչպէս սկսել ենք: Մեր կողմից մենք խոստանում ենք ոչինչ ջանք չը խնայել, որ «Մուրճը» անդադար առաջագիմէ, զարգանայ իբրեւ գրական-հասարակական մի ամսագիր, որ մեզանում մանտաւանդ կատարելու շատ կարեւոր դեր ունի: Միայն հարկաւոր է որ հասարակութիւնն էլ ճանաչէ իր պարտականութիւնը, այսինքն տալ մեզ բաժանորդների մեծ թիւ:

Միայն այդ կերպով կարելի է ապահովել գրական
գործը: Միայն այն ժամանակ, երբ պարտաճանաչ են
երկու կողմերն էլ՝ թէ խմբագրութիւնը և թէ հաս-
րակութիւնը, կարելի կը լինի ասել թէ ամսագիրը ա-
զատուած է պատահականութիւններից և կարող է հա-
մարձակ առաջ գնալ:

Մենք ոչինչ չենք ծածկում հասարակութիւնից: Եւ մեզ հետո՛ւ է սպասել նրա վճռին:

11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846.

072 Զարգացումը գնե ևս մեծ ազդեցություն ունի
 073 Զարգացումը գնե ևս մեծ ազդեցություն ունի
 074 Զարգացումը գնե ևս մեծ ազդեցություն ունի
 075 Զարգացումը գնե ևս մեծ ազդեցություն ունի
 076 Զարգացումը գնե ևս մեծ ազդեցություն ունի
 077 Զարգացումը գնե ևս մեծ ազդեցություն ունի
 078 Զարգացումը գնե ևս մեծ ազդեցություն ունի
 079 Զարգացումը գնե ևս մեծ ազդեցություն ունի
 080 Զարգացումը գնե ևս մեծ ազդեցություն ունի

Handwritten text in a cursive script, likely from a manuscript.